LOYOLA SCHOOL, BHUBANESWAR

First Class Evaluation, July - 2025

Class – IX	**Subject:2nd Lang (Hindi)**	**F.M.=20**	**Time:40 min**

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। उत्तर यथासंभव अपने शब्दों में होना चाहिए।

संसार के सभी देशों में शिक्षित व्यक्ति की पहली पहचान यह होती है कि वह अपनी मातृभाषा में दक्षता से काम कर सकता है। केवल भारत ही एक देश है. जहाँ शिक्षित व्यक्ति वह समझा जाता है जो अपनी मातृभाषा में दक्ष हो या नहीं, किंतु अंग्रेजी में जिसकी दक्षता असंदिग्ध हो। संसार के अन्य देशों में सुसंस्कृत व्यक्ति वह समझा जाता है, जिसके घर में अपनी भाषा की पुस्तकों का संग्रह हो और जिसे बराबर यह पता रहे कि उसकी भाषा के अच्छे लेखक और कवि कौन हैं तथा समय-समय पर उनकी कौन-सी कृतियाँ प्रकाशित हो रही है। भारत में स्थिति दूसरी है। यहाँ प्रायः घर में साज-सज्जा के आधुनिक उपकरण तो होते हैं, किंतु अपनी भाष की पुस्तके या पत्रिकाएँ नहीं दिखाई देती। यह सुदशा नहीं, दुरावस्था ही है और जब तक यह दुरावस्था कायम है, हमें अपने आपको सही अर्थों में शिक्षित और सुसंस्कृत मानने का ठीक-ठीक न्यायसंगत अधिकार नहीं है।

इस दुरावस्था का एक भयानक दुष्परिणाम यह है कि भारतीय भाषाओं के समकालीन साहित्य पर उन लोगों की दृष्टि नहीं पड़ती, जो विश्वविद्यालयों के प्रायः सर्वोत्तम छात्र थे और अब शासन-तंत्र में ऊँचे ओहदों पर काम कर रहे है। इस दृष्टि में भारतीय भाषाओं के लेखक केवल यूरोपीय और अमेरिकी लेखकों से ही हीन नहीं हैं, बल्कि उनकी किस्मत मिस्र, म्यांमार, इंडोनेशिया, चीन और जापान के लेखकों की किस्मत से भी खराब है; क्योंकि इन सभी देशों के लेखकों की कृतियाँ वहाँ के अत्यंत सुशिक्षित लोग भी पढ़ते हैं। केवल हम ही हैं, जिनकी पुस्तकों पर यहाँ के तथाकथित शिक्षित समुदाय की दृष्टि प्रायः नहीं पड़ती। हमारा तथाकथित उच्च शिक्षित समुदाय जां कुछ पढ़ना चाहता है, उसे अंग्रेजी में ही पढ़ लेता है। यहाँ तक कि उसकी कविता और उपन्यास पढ़ने की तृष्णा भी अंग्रेजी की कविता और उपन्यास पढ़कर ही समाप्त हो जाती है और उसे यह जानने की इच्छा ही नहीं होती कि शरीर से वह जिस समाज का सदस्य है, उसके मनोभाव उपन्यास और काव्य में किस अदा से व्यक्त हो रहे हैं।

प्रश्न : क) भारत में शिक्षित व्यक्ति किसे माना जाता है एवं अन्य देशों में सुसंस्कृत व्यक्ति किसे समझा जाता है ? [2]

ख) इस गद्यांश में लेखक ने भारत की कौन–सी दुरावस्था की ओर संकेत किया है तथा इसके क्या बुरे परिणाम हैं ? [2]

ग) भारत के तथाकथित शिक्षित वर्ग की किस बुराई की ओर लेखक ने संकेत किया है ? इस गद्यांश से क्या सीख मिलती है ? [2]

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

क) **"शिक्षित"** शब्द का विलोम शब्द लिखिए। [1]

ख) **"पुस्तक"** शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। [1]

ग) **"साहित्य"** शब्द का विशेषण शब्द लिखिए । [1]

घ) शिक्षित व्यक्ति की सबसे बड़ी पहचान यह होती है कि वह अपनी मातृभाषा में दक्षता से काम कर सकता है। [1]

("अपनी मातृभाषा में" से वाक्य शुरु कीजिए।)

3. निम्नलिखित अवतरण पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

"शेख साहब न्यायप्रिय आदमी थे। उन्होंने रसीला को छह महीने की सजा सुना दी और रूमाल से मुँह पोंछा। यह वही रूमाल था जिसमें एक दिन पहले किसी ने हजार रुपए बाँधकर दिए थे।"

प्रश्न: क) शेख साहब का परिचय दीजिए। **"न्यायप्रिय"** शब्द में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए। [2]

ख) हजार रुपए क्यों दिए गए थे? इस प्रकार के लेन–देन के बारे में अपने विचार लिखिए। [2]

ग) रसीला कौन था? उसे दंडित क्यों किया गया था? लेखक ने इस समय रुमाल के प्रसंग का उल्लेख क्यों किया है? स्पष्ट कीजिए। [3]

घ) शेख साहब समाज के किस वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं?देश की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में इस कहानी की प्रसांगिकता (relevance) स्पष्ट कीजिए। [3]

**********ALL THE BEST**********